

1. **समान अधिकार :** कोई भी धार्मिक समूह भेदभाव का सामना नहीं करेगा।

2. **सुरक्षा** : पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान सुरक्षा प्राथमिकता होगी ।

3. **समाज में सौहार्द**: सभी समुदाय एक-दूसरे का सम्मान करेंगे ।

उनके इस आश्वासन से मंदिर और आसपास के इलाके में **शांति और सकारात्मक माहौल** देखने को मिला ।

मंदिर के स्थानीय प्रमुखों और हिंदू समुदाय के नेताओं ने युनूस के दौरे की सराहना की । उनका कहना है कि प्रशासन और धार्मिक नेताओं के बीच सहयोग से **धार्मिक आयोजनों में समस्याओं से बचा जा सकता है** । पूजा समिति के अध्यक्ष ने कहा कि युनूस का दौरा **सकारात्मक संकेत** है और इससे श्रद्धालुओं में सुरक्षा और विश्वास की भावना बढ़ी है ।

युनूस ने लोगों से अपील की कि वे **धार्मिक भेदभाव और विवाद से दूर रहे** । उन्होंने कहा कि हर धर्म के लोगों को अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों का पालन करने का हक है । उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आग्रह किया कि वे **सामाजिक सौहार्द और भाईचारे** को बनाए रखें ।

उनका कहना था: “**सुरक्षा और विश्वास** के बिना शांति और सकारात्मक माहौल संभव नहीं है । हम सभी धर्मों के लोग समान अधिकार रखते हैं । दुर्गा पूजा जैसे बड़े त्योहारों में प्रशासन और समुदाय का सहयोग **सकारात्मक उदाहरण** प्रस्तुत करता है । इससे समाज में **धार्मिक सौहार्द और भाईचारा** मजबूत होता है ।”

मंदिर प्रशासन ने युनूस के दौरे के बाद सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर कई कदम उठाए हैं । पूजा स्थल और आसपास के इलाकों में CCTV कैमरे लगाए गए हैं । सुरक्षा कर्मियों और स्वयंसेवकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है । भीड़ प्रबंधन और पार्किंग जैसी व्यवस्थाओं के लिए **सुरक्षा और ट्रैफिक कंट्रोल प्लान** तैयार किया गया है । विशेषज्ञों का कहना है कि प्रशासन और समुदाय का सहयोग **धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा और शांति बनाए रखने** के लिए आवश्यक है ।

धकेश्वर मंदिर का यह दौरा केवल सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि **धार्मिक सहिष्णुता और समाज में भाईचारे** का प्रतीक भी है । युनूस ने यह संदेश दिया कि **सभी धर्मों के लोग समान अधिकार रखते हैं** । दुर्गा पूजा जैसे बड़े त्योहारों में प्रशासन और समुदाय का सहयोग **सकारात्मक उदाहरण** प्रस्तुत करता है । इससे समाज में **धार्मिक सौहार्द और भाईचारा** मजबूत होता है ।

दुर्गा पूजा से पहले युनूस का धकेश्वर मंदिर दौरा और हिंदू समुदाय को समान अधिकार देने का आश्वासन **सामाजिक और धार्मिक सौहार्द** की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

उनका संदेश स्पष्ट है: **सुरक्षा और विश्वास** के बिना शांति और सकारात्मक माहौल संभव नहीं है । हम सभी धर्मों के लोग समान अधिकार रखते हैं । दुर्गा पूजा जैसे बड़े त्योहारों में प्रशासन और समुदाय का सहयोग **सकारात्मक उदाहरण** प्रस्तुत करता है । इससे समाज में **धार्मिक सौहार्द और भाईचारा** मजबूत होता है ।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.